ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-१६
दिनांक- मंगलवार, २५ फरवरी, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.९ एवं १४.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९५ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७० प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १४.० एवं दोपहर में २६.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२६ फरवरी -०१ मार्च, २०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २६ फरवरी -०१ मार्च तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- आज दिनांक २५ फरवरी को उत्तर बिहार के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई है और अगले १२ घंटों में मौसमीय सिस्टम के कमजोर होने के कारण अब उतनी अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। १-२ स्थानों पर हल्की बुंदा-बूंदी हो सकती है। आसमान में आंशिक बादल छाये रह सकते है एवं अधिकत्तर स्थानों पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २६ से २७ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान १५-१६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ८-११ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ५५ से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ४५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- २६ फरवरी के बाद आलू की खुदाई एवं तैयार सरसों की कटाई कर सकते है। वर्षा का लाभ उठाते हुए चारा के लिए ज्वार की बुआई करे। इसकी स्वीट ज्वार या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेथ या बोरी की फसल जरुर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई से पूर्व खेत की जुताई में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१९, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कृषक भाई बुआई पूर्व बीज का प्रबंध प्रमाणित स्त्रोत से सुनिश्चित कर लें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे-जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई २५-३० दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में १० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।
- वर्षा का लाभ उठाते हुए खेत की जुताई कर गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं उपयुक्त वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई करें।
- सूर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। विगत वर्षा से आई खेतों में नमी का लाभ उठाते इसकी बुआई करें। बुआई से पुर्व १०० क्विंटल कम्पोस्ट, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बीज दर संकर किस्म के लिए ५ किलोग्राम तथा संकुल किस्म के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय सल्फरयुक्त उर्वरक ज्यादा उपयुक्त है। अतः ३० से ४० ग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर प्रयोग करें।
- इस मौसम में प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का आक्रमण हो सकता है । बचाव के लिए मौसम साफ रहने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर हीं करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल १.० मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।

आज का अधिकतम तापमानः २७.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १४.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.८ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकार